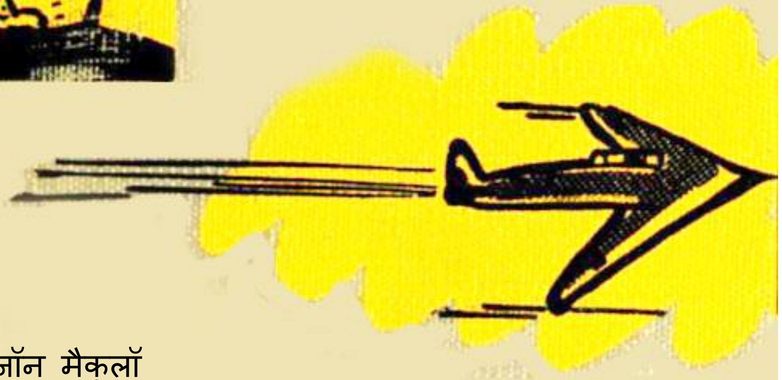
सबसे दूर, सबसे तेज़





जॉन मैकुलॉ

चित्र: लियोनार्ड केसलर



सबसे दूर, सबसे तेज़

जॉन मैकुलॉ

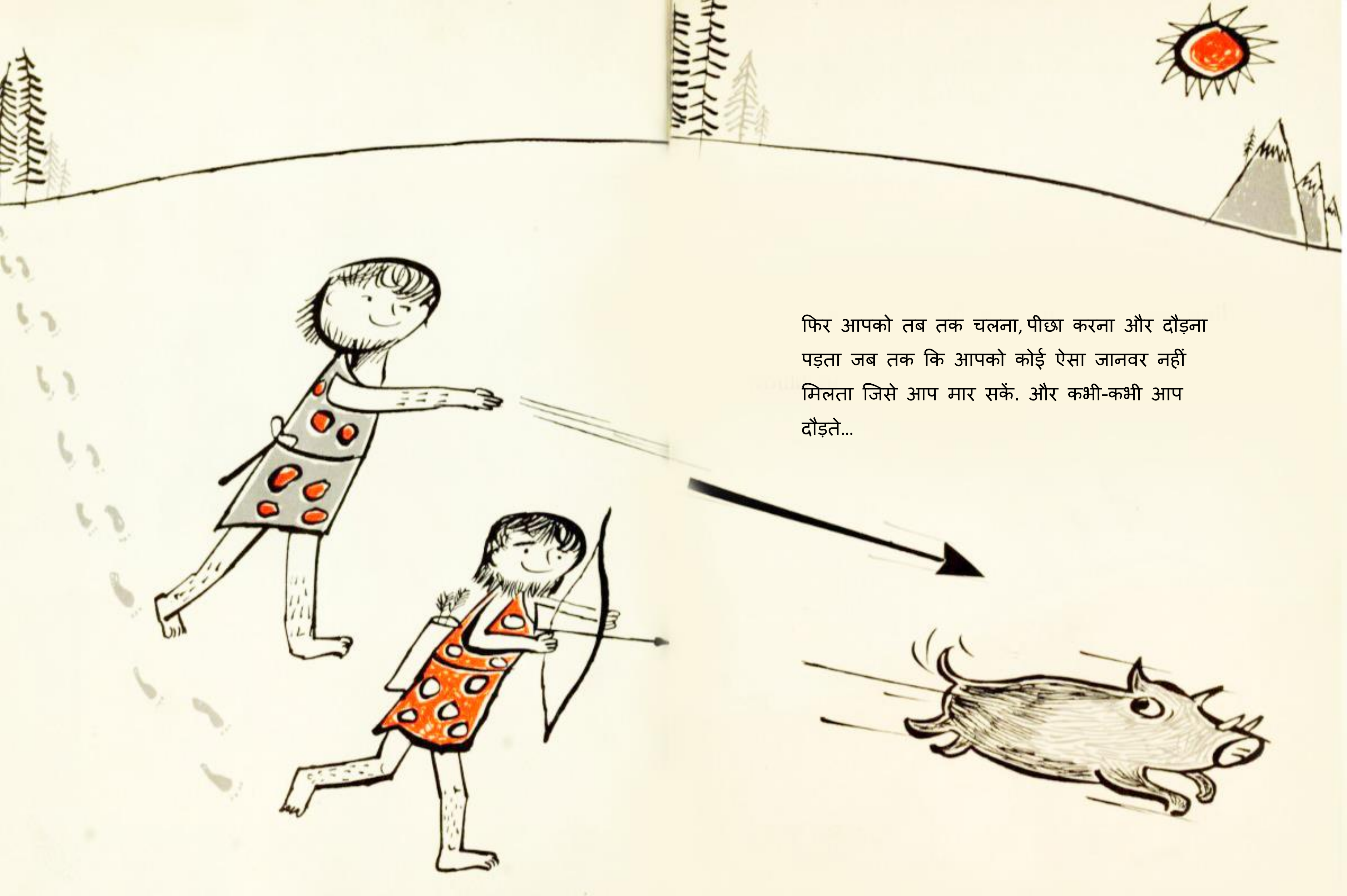
चित्र: लियोनार्ड केसलर





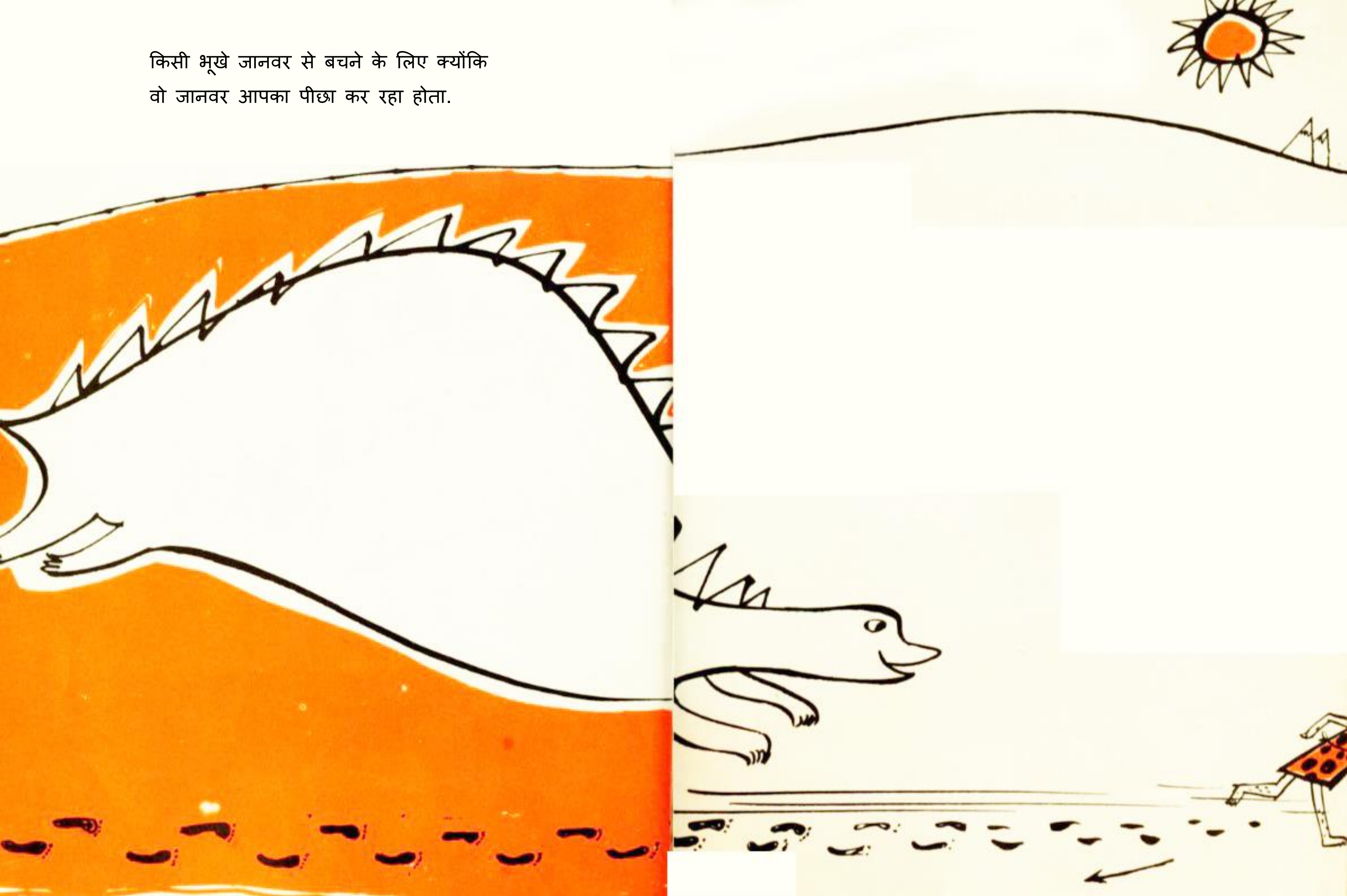


बहुत समय पहले - हम यह भी नहीं जानते थे कि हमें अपनी मंज़िल तक पहुँचने में कितनी देर लगेगी. तब कहीं भी जाने का एकमात्र तरीका पैदल चलना ही था. तब कार या हवाई जहाज़, नाव या साइकिल जैसी कोई चीज़ नहीं थी - केवल लोगों के पैर ही थे. यदि आप पानी पीना चाहते थे, तो आपको उस स्थान तक चलकर जाना पड़ता था जहाँ पानी का झरना था. यदि आप घर में गर्म रहना चाहते थे, तो आपको वहां तक चलना पड़ता था जहां आपको जलाने के लिए कुछ लकड़ी मिल सके. यदि आप भूखे होते...



फिर आपको तब तक चलना, पीछा करना और दौड़ना पड़ता जब तक कि आपको कोई ऐसा जानवर नहीं मिलता जिसे आप मार सकें. और कभी-कभी आप दौड़ते...

किसी भूखे जानवर से बचने के लिए क्योंकि
वो जानवर आपका पीछा कर रहा होता.



जब आप किसी जानवर का शिकार कर उसे मारकर उसे घर लाना चाहते थे, तब कोई ट्रक नहीं था - केवल आपकी पीठ और पैर थे. दिन भर चलते रहना एक कठिन जीवन था. आप ज़रा कल्पना करें - कि अब आपको कैसा लगेगा अगर आपको अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए हर जगह पैदल चलना पड़े?





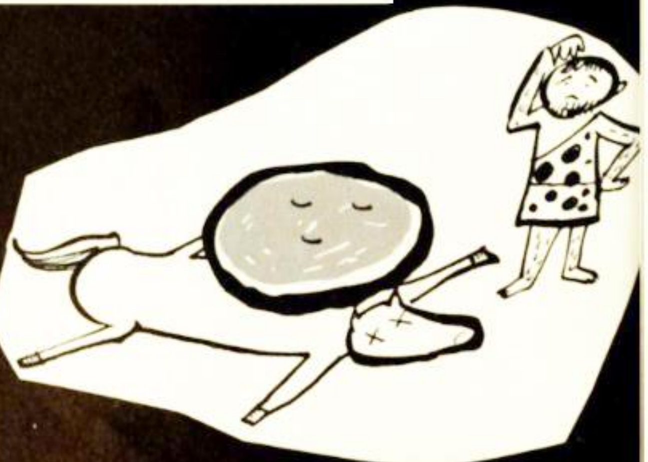
फिर एक दिन बहुत पहले किसी के मन में एक विचार आया होगा... एक नया विचार. वह विचार कुछ इस तरह होगा: "उस जानवर को देखो. उसकी पीठ और टांगें मेरी तुलना में कहीं अधिक मजबूत हैं. शायद मैं उसे अपना भार उठाना सिखा सकूं. फिर मुझे वो कठिन काम करने की जरूरत नहीं पड़ेगी." और वह काम लोगों को करने लायक लगा होगा.



वैसे वो काम कुछ हद तक खतरनाक भी था. फिर भी, लोगों ने कोशिश की. पहले उन्होंने छोटे जानवरों के साथ कोशिश की. . . फिर उन्होंने बड़े जानवरों को आज़माया.



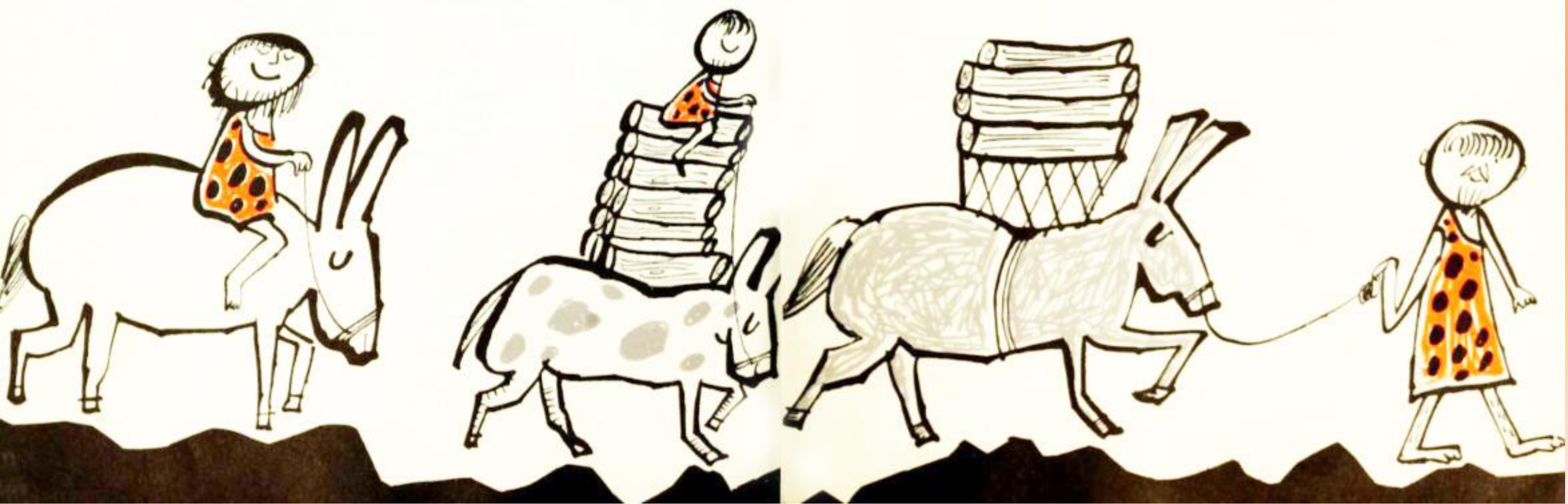
उनमें कुछ बहुत तेज़ थे;
लेकिन कुछ बहुत कमज़ोर थे.

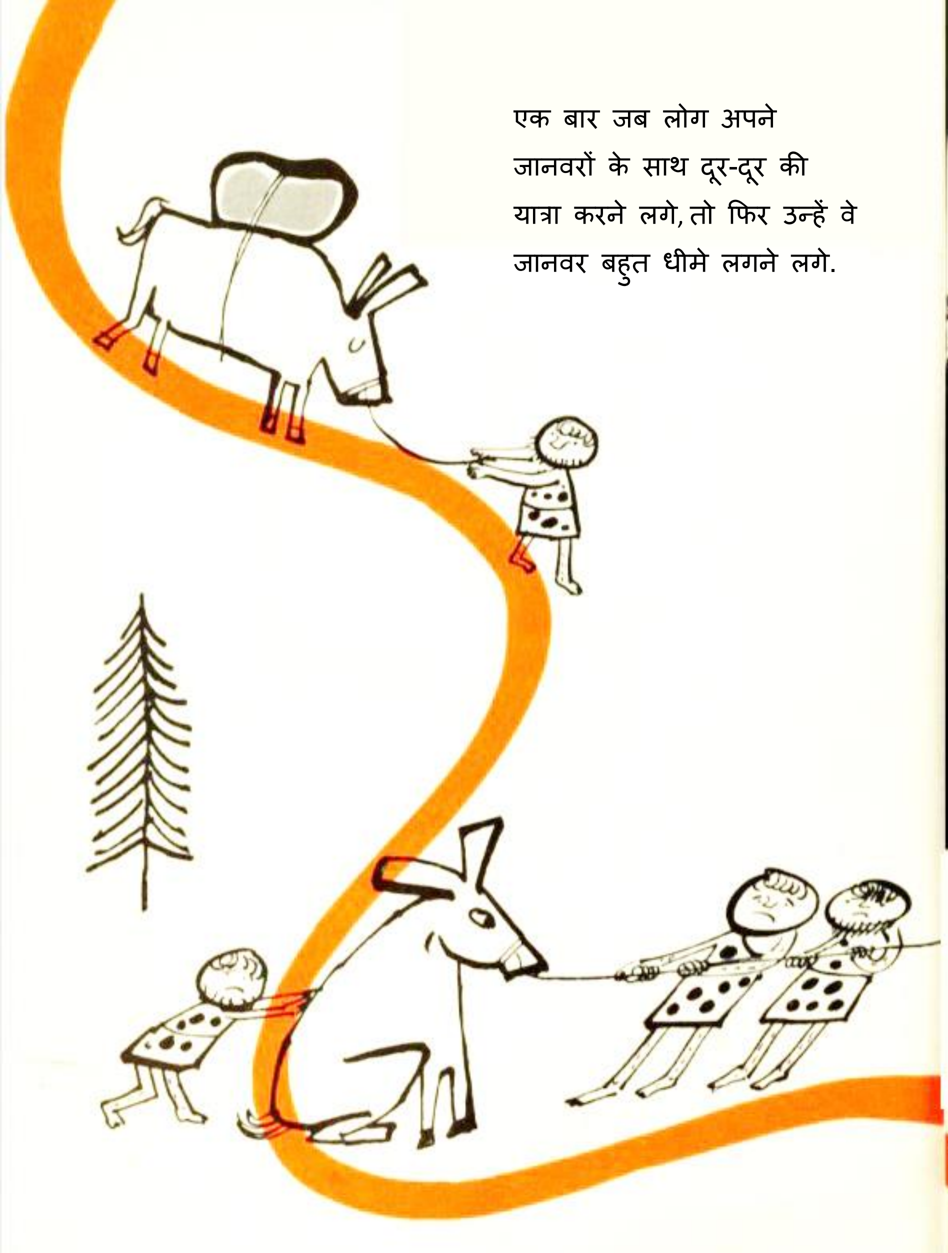


और कुछ जानवर किसी भी काम के नहीं थे!

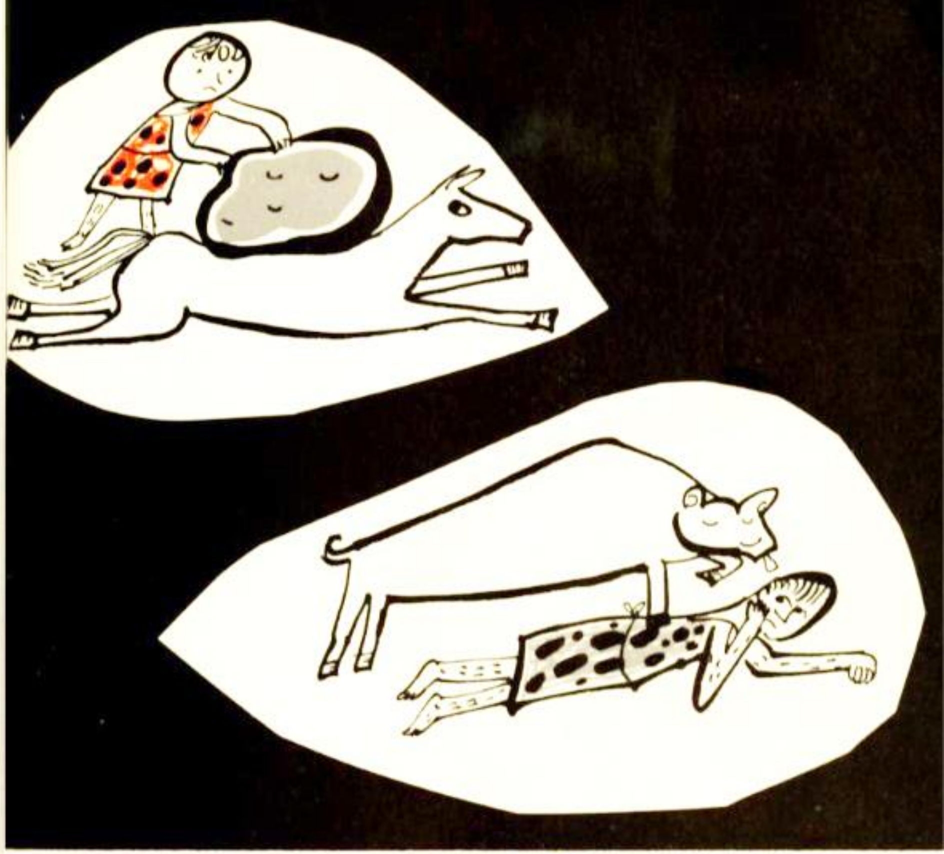


आख़िरकार लोगों को ऐसे जानवर मिल ही गए जिन्हें वे वश में कर सकते थे और जिन्हे वो प्रशिक्षित कर सकते थे - सुरक्षित, धीमे जानवर. ये पहले से काफी बेहतर था. अब आप अपनी बाँहें झुलाते हुए चल सकते थे जबकि जानवर आपका बोझ उठाता था. इतना ही नहीं—अब आप बहुत दूर तक—पहाड़ों के ऊपर होकर —नए शिकार के मैदानों तक यात्रा कर सकते थे.





एक बार जब लोग अपने जानवरों के साथ दूर-दूर की यात्रा करने लगे, तो फिर उन्हें वे जानवर बहुत धीमे लगने लगे.



निःसंदेह, अधिकांश लोग उन सुरक्षित, धीमे जानवरों के साथ से संतुष्ट थे जिनके वे आदी हो गए थे, लेकिन कुछ साहसी लोग एक के बाद एक जानवरों के साथ कोशिश करते रहे, फिर अंत में एक उन्हें एक ऐसा जानवर मिल गया जो न केवल तेज़ और मजबूत था. . . लेकिन सौम्य भी था.........

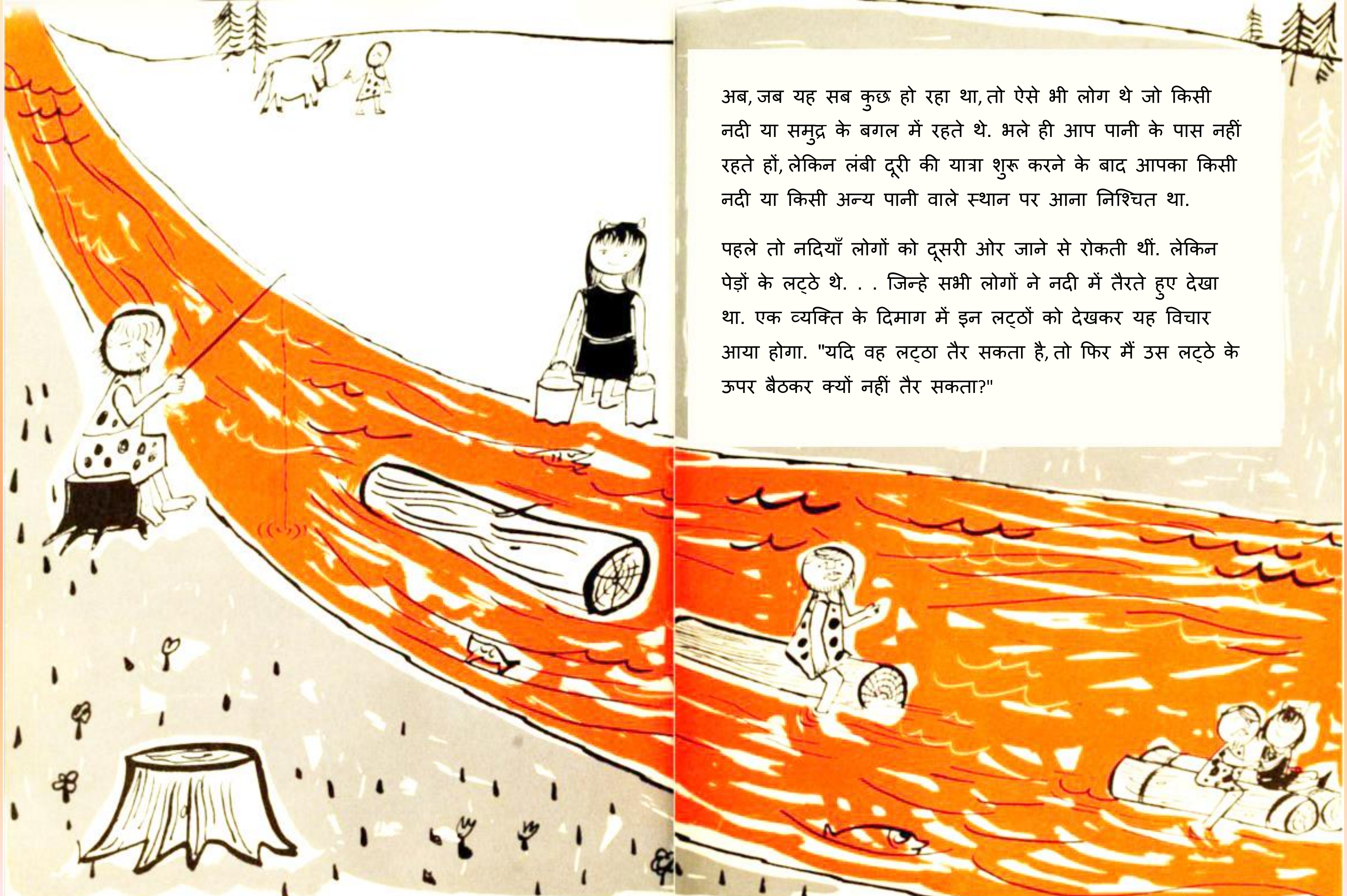


घोड़ा.......

जल्द ही हर कोई एक घोड़ा चाहता था. अब वे कल्पना नहीं कर सकते थे कि वे घोड़े के बिना वे कैसे जी पाए थे... और न ही उन्हें विश्वास था कि उन्हें घोड़े से कुछ भी कभी बेहतर मिलेगा. घोड़ा सबसे अच्छा प्राणी था.

अब, जब यह सब कुछ हो रहा था, तो ऐसे भी लोग थे जो किसी नदी या समुद्र के बगल में रहते थे. भले ही आप पानी के पास नहीं रहते हों, लेकिन लंबी दूरी की यात्रा शुरू करने के बाद आपका किसी नदी या किसी अन्य पानी वाले स्थान पर आना निश्चित था.

पहले तो नदियाँ लोगों को दूसरी ओर जाने से रोकती थीं. लेकिन पेड़ों के लट्ठे थे. . . जिन्हे सभी लोगों ने नदी में तैरते हुए देखा था. एक व्यक्ति के दिमाग में इन लट्ठों को देखकर यह विचार आया होगा. "यदि वह लट्ठा तैर सकता है, तो फिर मैं उस लट्ठे के ऊपर बैठकर क्यों नहीं तैर सकता?"





अब, जब आप पेड़ों के लट्ठों पर बैठकर तैरने का विचार करेंगे तो जल्द ही आपके ज़हन में बेड़े (राफ्ट) का विचार ज़रूर आएगा. क्या आप ऐसा करेंगे? फिर बेड़ा चलाने के लिए और धारा की दिशा में ऊपर जाने के लिए आपको चप्पुओं की आवश्यकता भी होगी. असल में ऐसा ही हुआ होगा. जब किसी चीज़ की सख्त ज़रुरत होती है तो आमतौर पर कोई-न-कोई उसका आविष्कार कर ही डालता है. और हमारे पूर्वजों ने भी वैसा ही किया होगा. उन्होंने डंडों, और चप्पुओं का आविष्कार किया होगा.

फिर वे सोचने लगे, "ये लट्ठे ठोस और भारी हैं और इसलिए इन्हें चलाना कठिन है." बताएं आप क्या करते? ख़ैर, उन्होंने वही किया. उन्होंने लट्ठों को खोखला कर दिया और यहीं से नावों की शुरुआत हुई. नावों ने लोगों के रहने के तरीके को बदल दिया. उसके बाद लोग दूर तक और तेजी से यात्रा करने लगे. वे नये-नये लोगों से मिलने लगे. कभी-कभी वे उन नये लोगों के साथ लड़ते थे लेकिन कभी-कभी वे नए लोगों द्वारा बनाई गई नई चीज़ों के बदले में उनके पास मौजूद चीज़ों की अदला-बदली करते थे. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने विचारों का भी आदान-प्रदान किया. उन्होंने पुराने विचारों के बदले नए विचार ग्रहण किए.





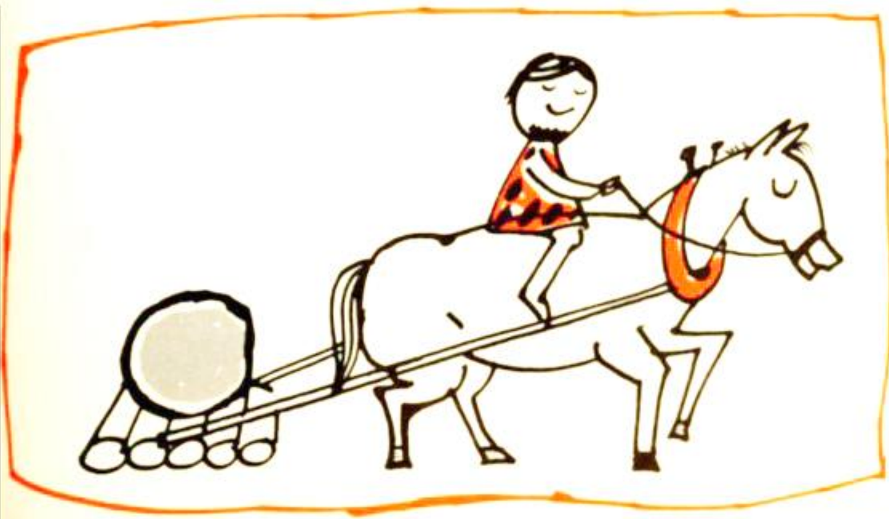
बेशक, बेड़े का विचार इन नए लोगों में से कुछ के लिए एक नया विचार था. शायद इससे उनमें से किसी ने एक नए विचार के बारे में सोचना शुरू किया होगा: "यदि एक बेड़ा पानी में इतना सामान ढो सकता है, तो फिर एक ज़मीनी बेड़ा क्यों नहीं बनाया जाए जिसे घोड़ा खींच सके? किसी सामान को उठाने की तुलना में उसे खींचना कहीं ज़्यादा आसान होगा." उन्होंने इस विचार को करके देखा. लेकिन उससे बेचारे घोड़े का लगभग गला दब गया.

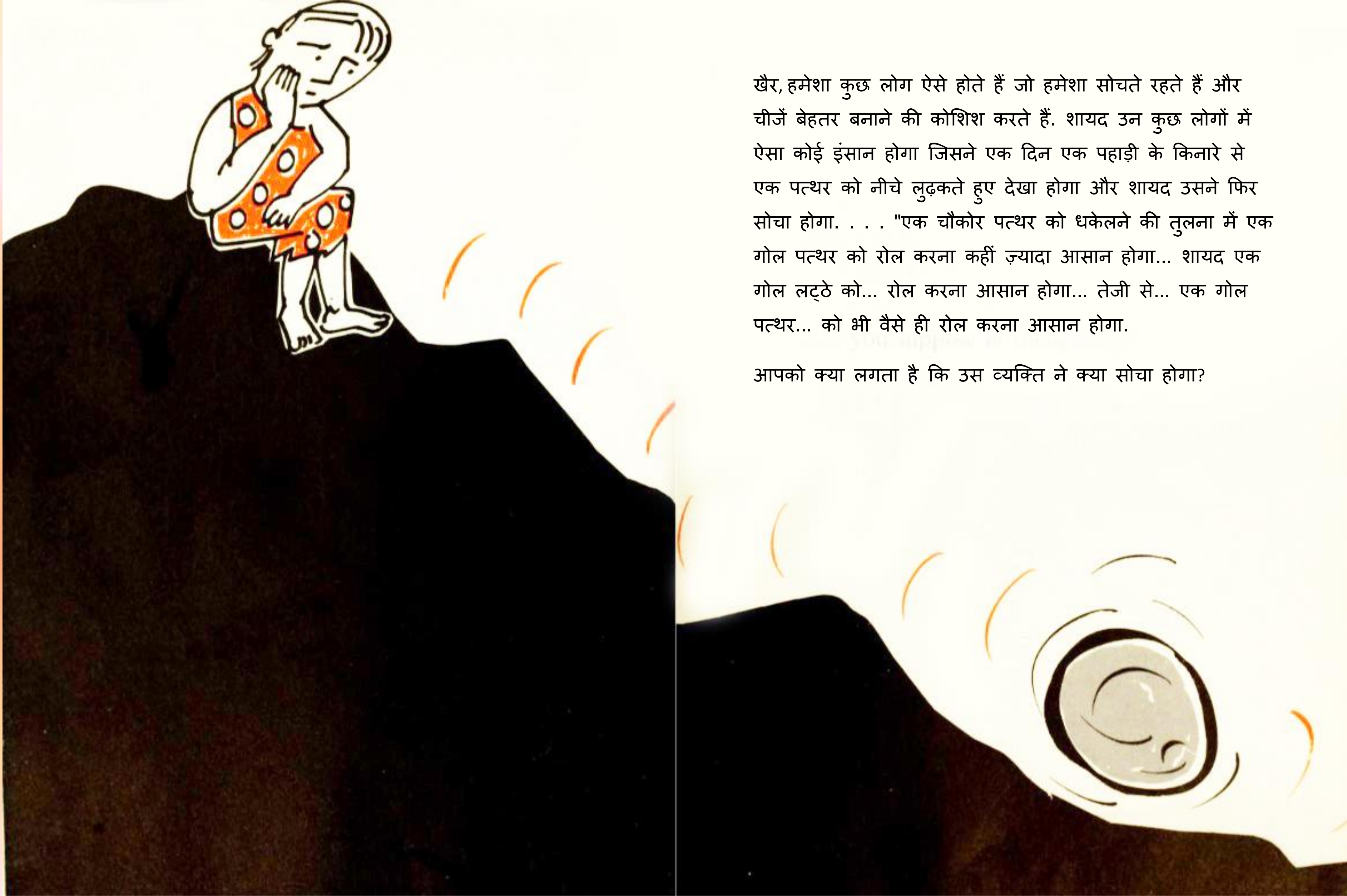




लेकिन उनका विचार - बहुत गलत नहीं था. अब किसी को घोड़े का कॉलर यानी काठी के आविष्कार करने की आवश्यकता थी.

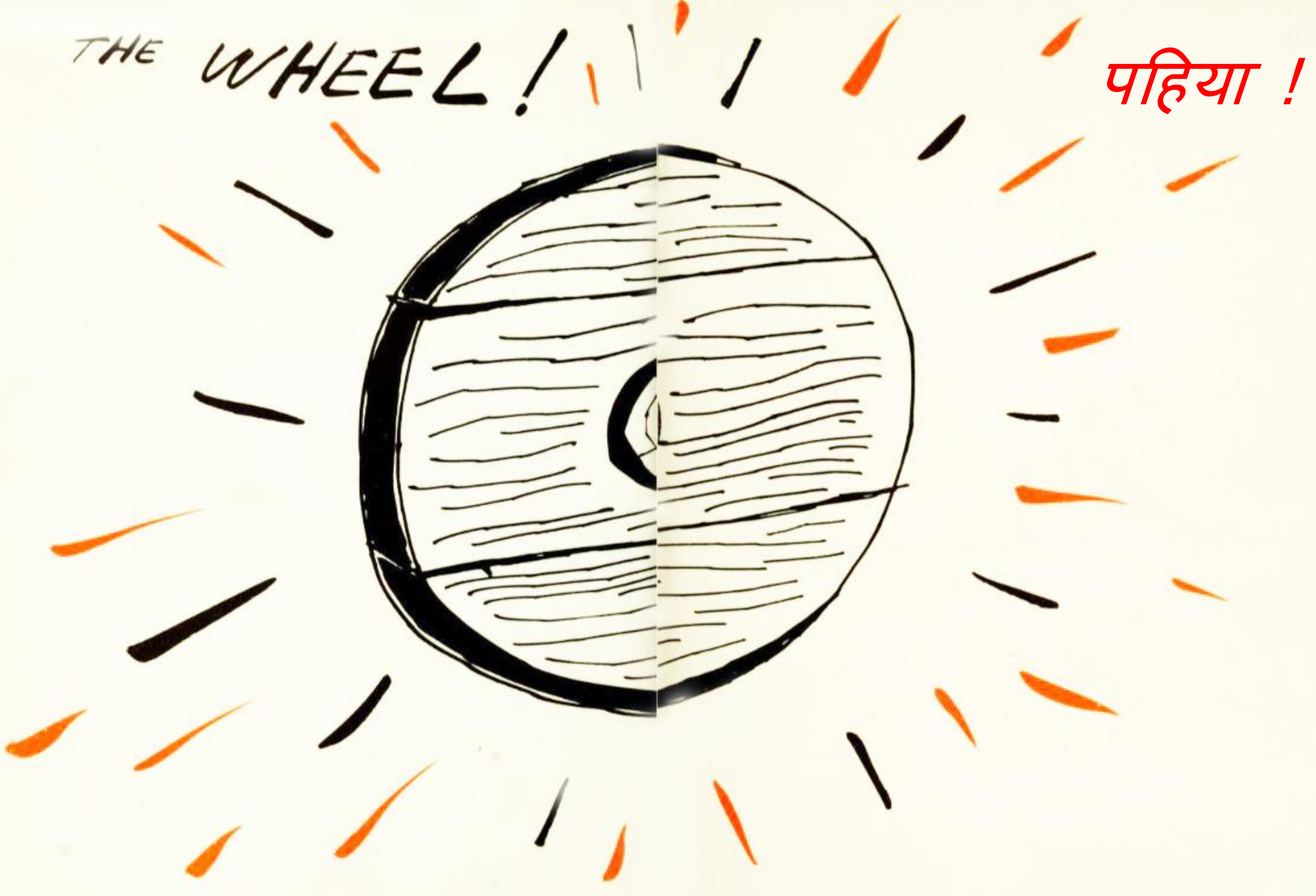
गले में कॉलर होने से घोड़ा बिना घुटे भारी बोझ खींच सकता था. यह लोगों के पास कहीं आगे की बात थी. वह सबसे अच्छा था— लगभग एक नाव जितना ही अच्छा. क्या उससे भी कुछ बेहतर हो सकता था?





खैर, हमेशा कुछ लोग ऐसे होते हैं जो हमेशा सोचते रहते हैं और चीजें बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं. शायद उन कुछ लोगों में ऐसा कोई इंसान होगा जिसने एक दिन एक पहाड़ी के किनारे से एक पत्थर को नीचे लुढ़कते हुए देखा होगा और शायद उसने फिर सोचा होगा. . . . "एक चौकोर पत्थर को धकेलने की तुलना में एक गोल पत्थर को रोल करना कहीं ज़्यादा आसान होगा... शायद एक गोल लट्ठे को... रोल करना आसान होगा... तेजी से... एक गोल पत्थर... को भी वैसे ही रोल करना आसान होगा.

आपको क्या लगता है कि उस व्यक्ति ने क्या सोचा होगा?


THE WHEEL!
पहिया !

पहिया बड़े काम की चीज़ है और उसके कई उपयोग हैं. पहिये के साथ केवल एक ही समस्या है - वो ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर ठीक से नहीं चलता है. घोड़े ऊबड़-खाबड़ ज़मीन, चट्टानों और ठूंठों से भरे फुटपाथों पर आसानी से जा सकते हैं. लोगों को लगभग ऐसा लग रहा था मानो, पहिये का समुचित उपयोग करने के लिए, उन्हें पूरी पृथ्वी पर सभी चट्टानों और ठूंठों को, समतल करना होगा.

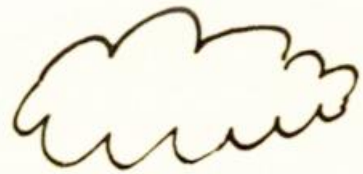
लेकिन उसकी बजाय फिर किसी ने आविष्कार कीं... ..





.....ROADS

......सड़कें

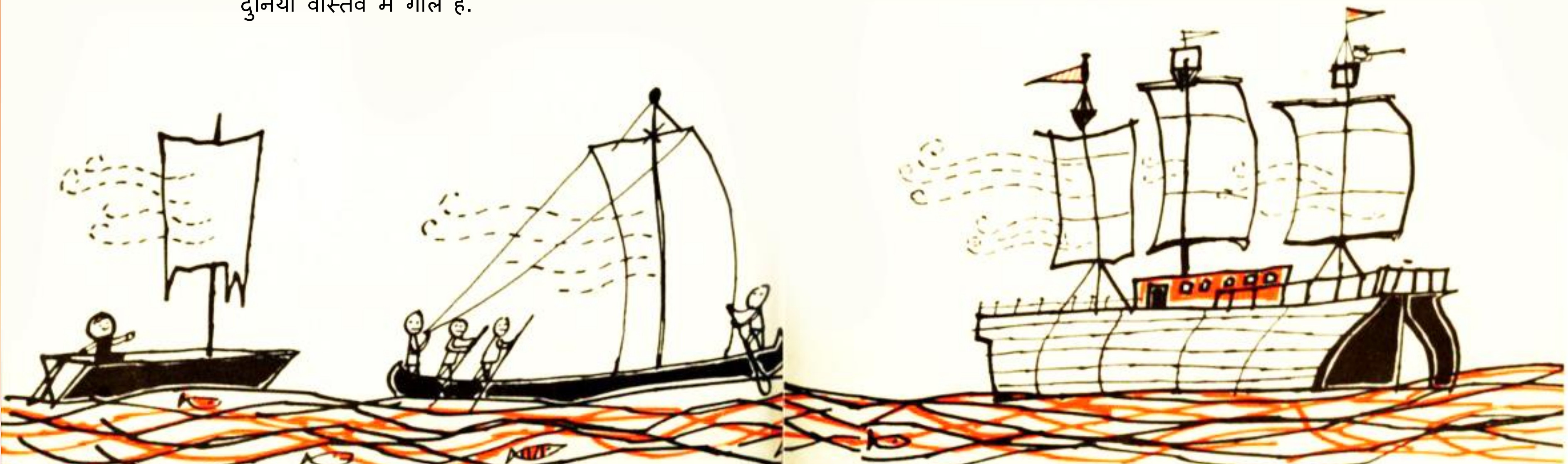






निःसंदेह, जो लोग पानी पर चप्पू चला रहे थे, उनको शुरुआत में सड़कें काफी चिकनी लगी होंगी. उन्हें पहाड़ी पर ऊपर-नीचे नाव चलाने की ज़रूरत नहीं थी. फिर भी उन्हें नाव चलाना पड़ती थी और वो एक कठिन काम था. उन्होंने नाव चलाने में बहुत समय बिताया होगा, और नाव चलाते समय उन्होंने सोचा भी होगा. शायद इसने किसी को यह सोचने पर मजबूर किया होगा: "यह हवा - कई चप्पू खेने वालों की तुलना में अधिक शक्तिशाली है - हम उस हवा को कैसे पकड़ सकते हैं?" इसलिए वे सभी इस बारे में बातें करते और सोचते रहे होंगे और तब तक प्रयास करते रहे होंगे जब तक कि उन्होंने पाल का आविष्कार नहीं कर लिया होगा. पाल की मदद से लोग समुद्र के पार जाकर ऐसी नई ज़मीनें और देश ढूंढ सकते थे जिनके बारे में किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था.

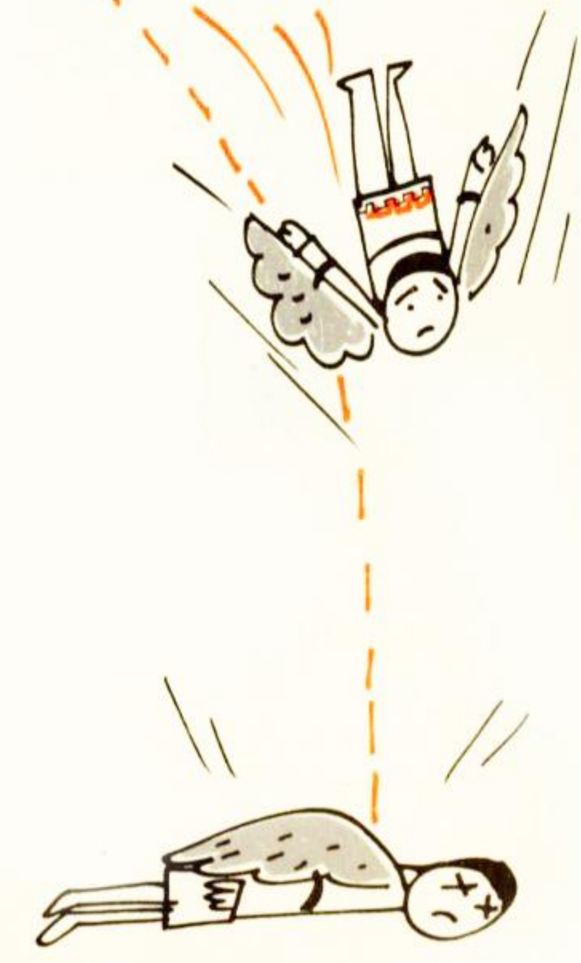
लेकिन पृथ्वी का कहीं न कहीं अंत तो होगा ही? "यदि आप उसके किनार या छोर तक पहुंच गए, तो आप निश्चित रूप से गिर जाएंगे." हज़ारों वर्षों से लोग इस चीज़ के बारे में चिंतित रहे थे—पृथ्वी के किनार या सिरे से गिरने के बारे में. आप भी चिंतित होते, यदि आपकी जानकारी उस ज़माने के लोगों जैसी होती. लेकिन अब आप जानते हैं कि पृथ्वी का कोई किनारा नहीं है और समुद्र का कोई अंत नहीं है. आप यह इसलिए जानते हैं क्योंकि कई नाविकों ने, गोल दुनिया के चारों ओर खतरनाक, अंतहीन महासागर में यात्रा की है और फिर अंत में उन्हें यह पता चला कि दुनिया वास्तव में गोल है.

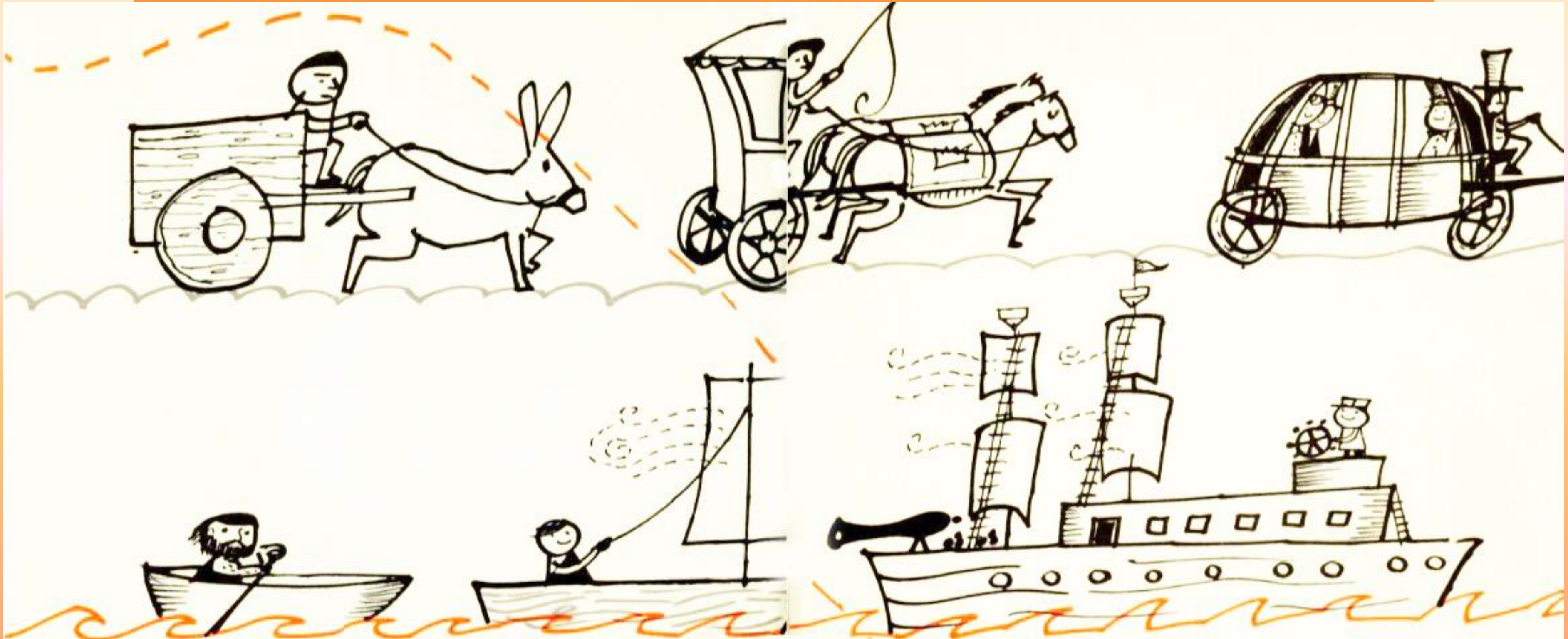




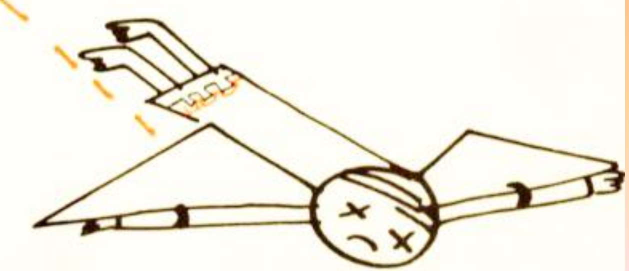


अब इस पूरे काल में - बहुत शुरुआती समय में, जबकि लोग जमीन और समुद्र पर यात्रा करने के नए तरीकों पर काम कर रहे थे - तो कुछ लोग ऐसे भी थे जिनकी निगाह हमेशा बादलों पर टिकी रहती थी. उन्हें धीमी गति वाली चीज़ों में कोई दिलचस्पी नहीं थी. वे पक्षियों की तरह उड़ना चाहते थे, ज़मीन पर, पानी पर, बिना रुके, घोड़े से तेज़, नाव से तेज़, यहाँ तक कि हवा से भी तेज़. इन मूर्खतापूर्ण विचारों पर किसी ने ध्यान नहीं दिया. "लोग कभी भी उड़ नहीं सकते हैं," सभी लोगों ने कहा. "क्योंकि वे बहुत भारी हैं." और जब किसी ने उड़ने की कोशिश की, तो उसने पाया कि वह सचमुच बहुत भारी था.





तो बहुत लंबे समय तक, दुनिया जैसी थी, वैसी ही रही: हवा ने नावों को धकेला . . घोड़ों ने गाड़ियाँ खींचीं. . . और कुछ लोगों ने पक्षियों की तरह उड़ने की कोशिश की. हर कोई जानता था कि वो सबसे बढ़िया तरीका था. . . ऐसा प्रतीत हुआ कि अब उसे आविष्कार करने के अलावा उनके पास और कोई चार नहीं था.





एक तरह से वे सही थे. यह सबसे अच्छा था जो आप अपनी मांसपेशियों, या जानवरों की मांसपेशियों या जंगली हवा की ताकत का उपयोग करके कर सकते थे.

हालाँकि, लंबे समय से ऐसे लोग भी थे जिनकी तेजी से चलने में कोई दिलचस्पी नहीं थी. वे पूरी तरह से अलग-अलग तरह की चीज़ों को खोज रहे थे. ऐसे लोग थे जो आग में रुचि रखते थे. उन्होंने पाया कि आग भोजन के स्वाद को बदल देती थी, आग लोहे को इतना नरम बना देती थी जिससे कि वह मुड़ सके, आग पानी को उबाल देती थी और उबलने पर पानी भाप में बदल जाता था. फिर उन्हें भाप के बारे में पता चला कि अगर आप भाप को बाहर निकलने से रोक सकें तो वो बहुत शक्तिशाली बन जाएगी. उन्होंने एक ऐसे इंजन का आविष्कार किया जो पानी पंप करने के लिए इस भाप की शक्ति का उपयोग करता था. फिर उनमें कोई ऐसा व्यक्ति था जिसकी भाप की शक्ति में रुचि थी, और भाप का उपयोग कर वो तेजी से दूर स्थित स्थानों पर जाने में रुचि रखता था. इस व्यक्ति ने भाप के इंजन से पहिया घुमाने के तरीके के बारे में सोचा. फिर तो ऐसा लगा मानो कोई बांध टूट गया हो. उसके बाद कई नए प्रकार के आविष्कार तेजी से आये.

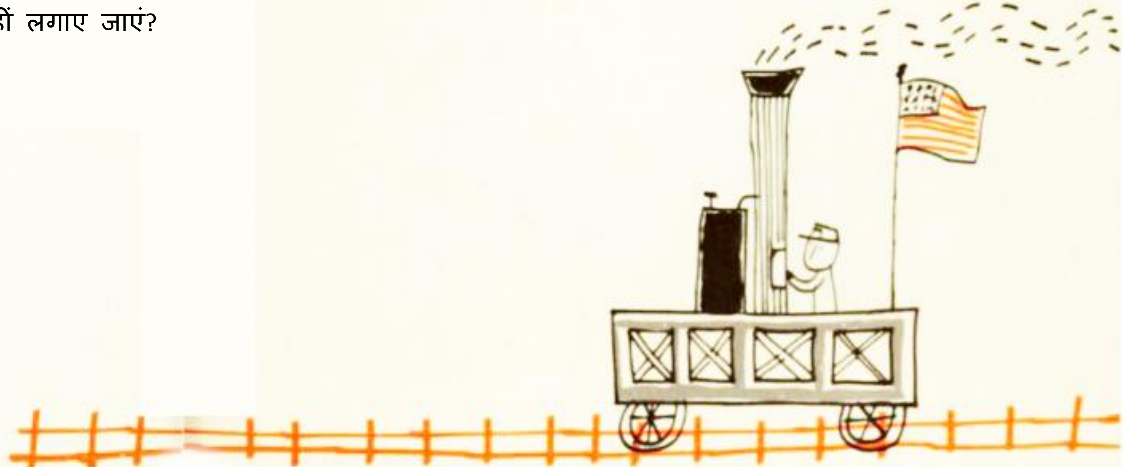






किसी ने सोचा, यदि भाप से पहिए घूमते हैं और चप्पुओं से नावें चलती हैं, तो पहियों पर चप्पू क्यों नहीं लगाए जाएं?

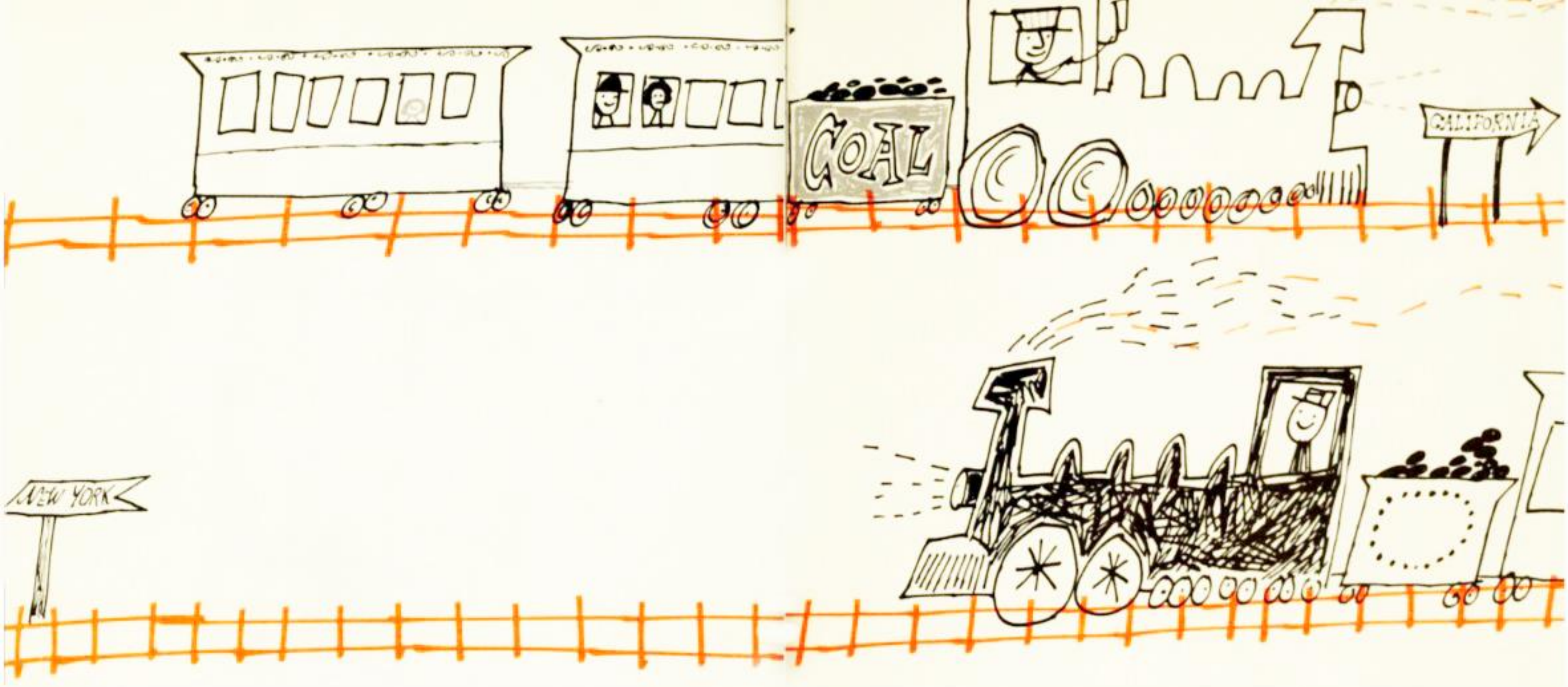




और किसी और ने यह सोचा, "यदि भाप से पहिए घूमेंगे, तो आप बिना घोड़े के भी वैगन के पहियों को घुमा सकेंगे."



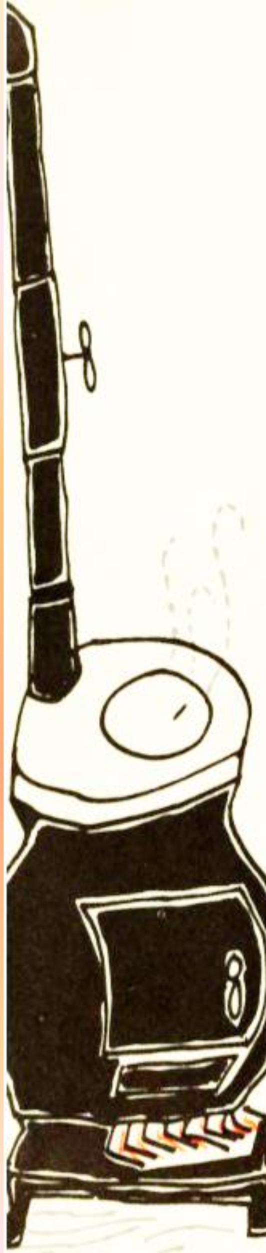
तो कुछ लोगों ने कोशिश की. और जल्द ही उनके पास बड़े पहिये चलाने वाले और किसी भी घोड़े की तुलना में भारी भार खींचने वाले भाप के इंजन मौजूद थे - दस से अधिक घोड़े, या बीस, या साठ से भी अधिक घोड़ों की ताकत वाले.

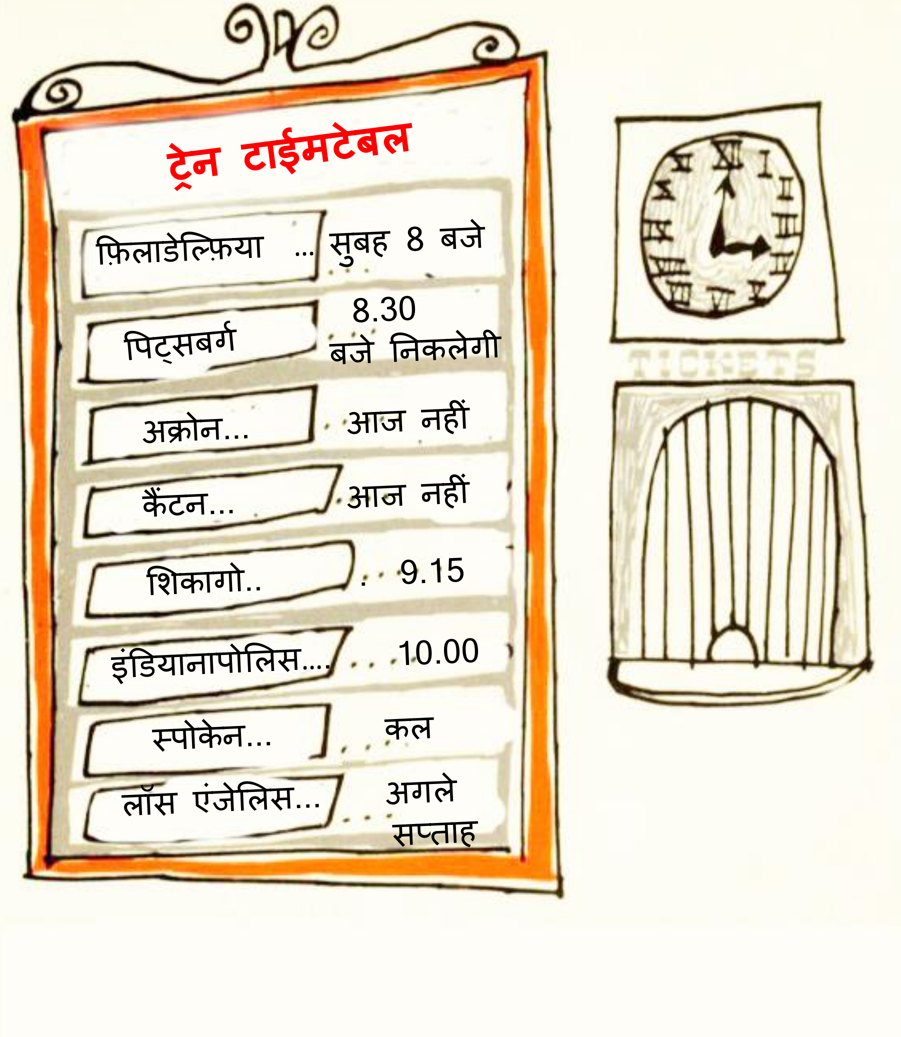


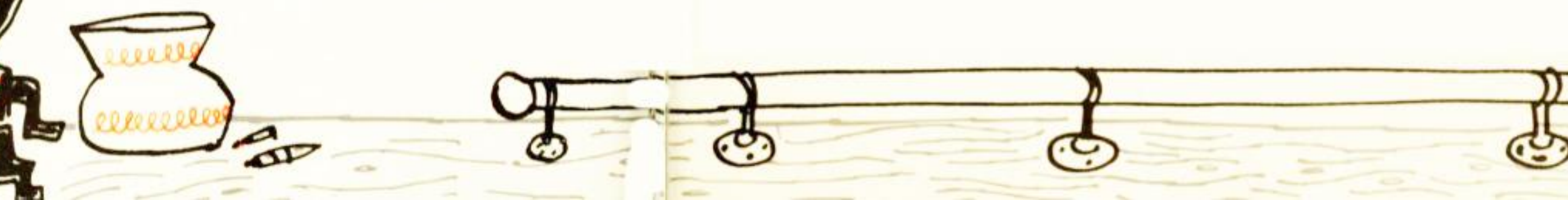
हालाँकि, ये भाप इंजन साठ घोड़ों से भी अधिक भयानक थे. इन इंजनों से भयानक आवाजें निकलती थीं. उन्होंने लोगों की आँखों में धुआँ और राख फेंकी. इसके अलावा, उड़ती चिंगारी से लोगों के कपड़ों में आग लगने की संभावना भी थी. यह सबकुछ अन्वेषकों के लिए बहुत दिलचस्प था लेकिन अधिकांश लोग इन जंगली, नए इंजनों के साथ यात्रा नहीं करना चाहते थे.

इन इंजिनों की तुलना में घोड़ा अधिक सुरक्षित था - और मित्रवत भी. लेकिन, जैसे-जैसे समय बीतता गया इंजन और बेहतर होते गए, फिर तमाम लोगों की स्टीमबोट और ट्रेनों में यात्रा करने की आदत पड़ गई. जल्द ही वे कहने लगे, "भाप से यात्रा करने का इससे बेहतर कोई और तरीका नहीं है." और, निःसंदेह, ऐसे मूर्ख लोग भी थे जिन्होंने कहा, "ऐसा कभी नहीं होगा."

अब ट्रेन लंबी-लंबी यात्राओं के लिए बिल्कुल उपयुक्त थी. ट्रेन आपको देश के पश्चिम छोर ओर तक ले जा सकती थी या फिर गेहूं और मक्का को पूर्व में वापस ला सकती थी. ट्रेनें पूरे देश में कोयला और लकड़ी की ढुलाई कर सकती थीं. लेकिन ट्रेन आपको शहर की एक छोटी सी यात्रा पर या देश में एक अच्छी शांत रविवार की सवारी पर नहीं ले जा सकती थी. ट्रेन कुछ कामों के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी क्योंकि आप केवल वहीं जा सकते हैं जहां ट्रेन जा रही हो और जब वह जा रही हो.







अब तक लोग सोचने लगे थे, "इंजन को चलाने के और भी तरीके होने चाहिए. जब कोई पटाखा टिन के डिब्बे के नीचे फूटता है तो फिर क्या होता है? उस विस्फोट से डिब्बा उड़ता है."

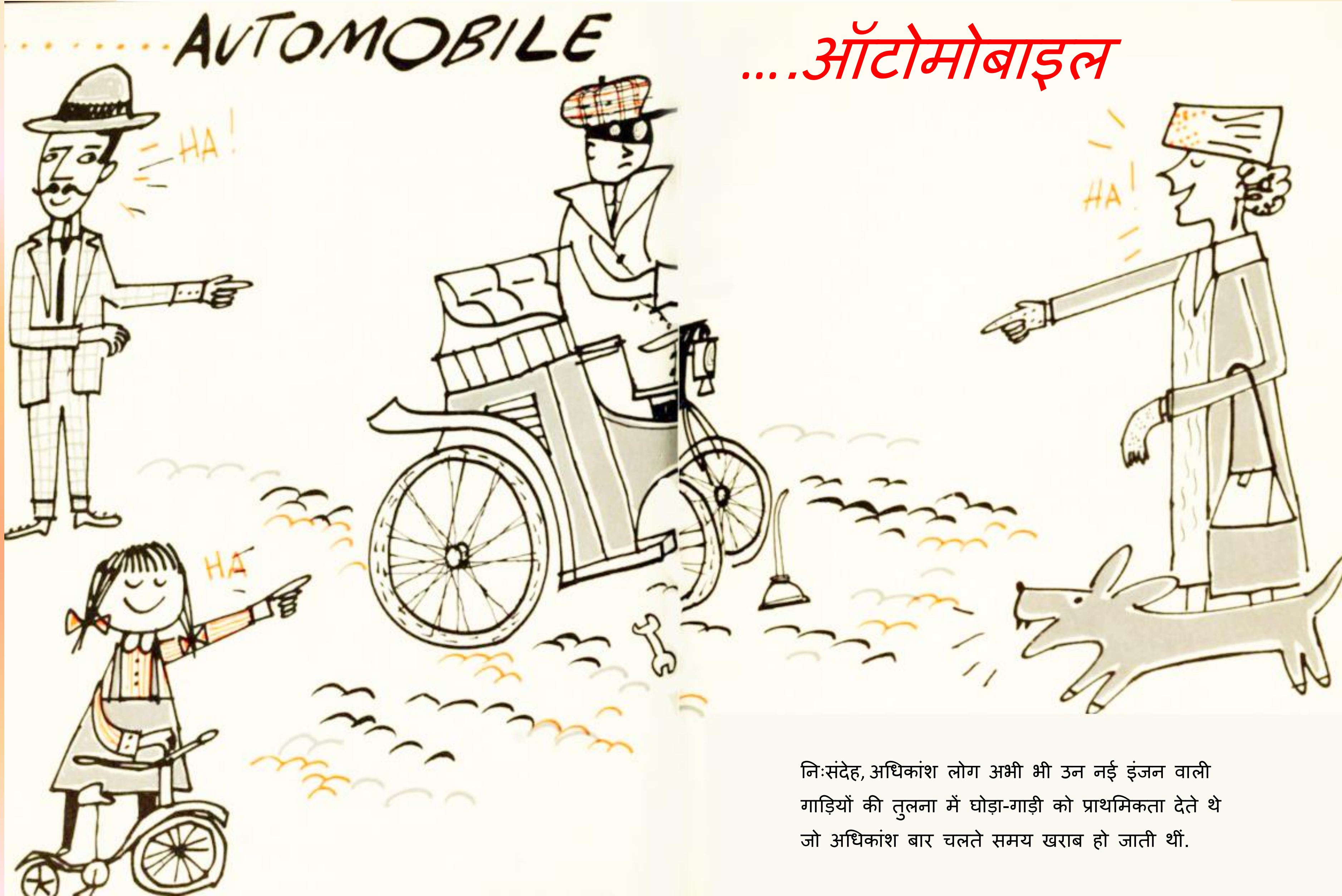


"गैसोलीन भी फट सकती है. और यदि आपके पास पेट्रोल में थोड़ा-थोड़ा विस्फोट करने के लिए बहुत सारी छोटी-छोटी चिंगारी हो, तो गैसोलीन या पेट्रोल किसी इंजन को चालू रख सकती है!"

बेशक, एक गैसोलीन इंजन बनाना इतना आसान नहीं है. लेकिन आविष्कारक इस नए प्रकार के विस्फोटक इंजन पर तब तक काम करते रहे, जब तक कि उन्होंने एक गाड़ी में लगाने के लिए पर्याप्त ताकत का इंजन नहीं बनाया जो गाड़ी के पहियों को घुमाने के लिए ताकतवर था – अब... पुट... पुट.... पुट उनके पास एक इंजन था......

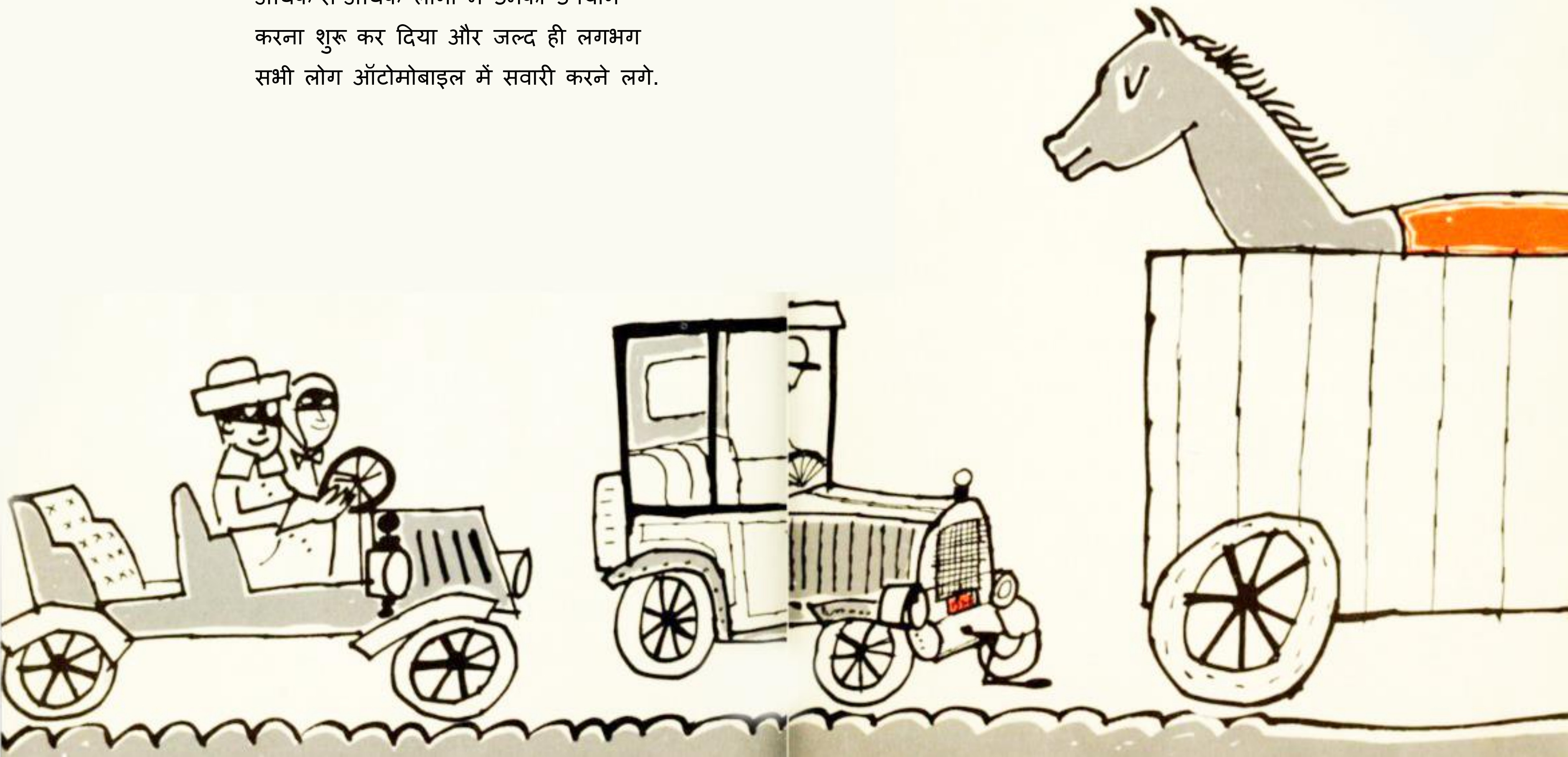


....ऑटोमोबाइल



निःसंदेह, अधिकांश लोग अभी भी उन नई इंजन वाली गाड़ियों की तुलना में घोड़ा-गाड़ी को प्राथमिकता देते थे जो अधिकांश बार चलते समय खराब हो जाती थीं.

लेकिन जैसे-जैसे गाड़ियां बेहतर होती गईं,
अधिक-से-अधिक लोगों ने उनका उपयोग
करना शुरू कर दिया और जल्द ही लगभग
सभी लोग ऑटोमोबाइल में सवारी करने लगे.



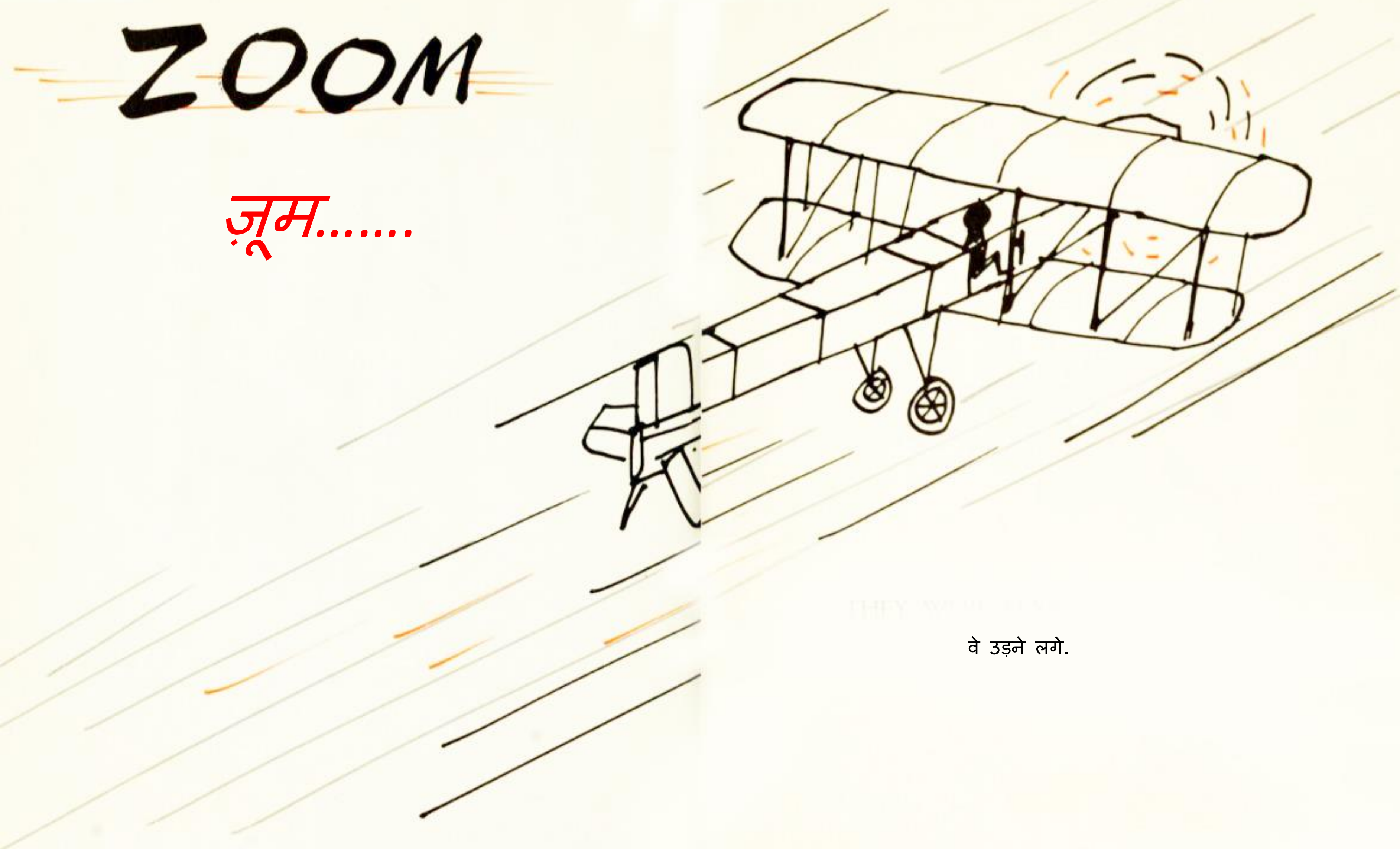


फिर भी, इस पूरे काल में हमेशा कुछ लोग ऐसे थे जो चाहते थे कि वे पक्षियों की तरह उड़ सकें. उन्होंने गैस से भरे गुब्बारों में उड़ानें भरीं. गुब्बारों के साथ समस्या यह थी कि एक बार ऊपर जाने के बाद आपको यह कभी पता नहीं होता था कि आप दोबारा कब और कहां नीचे उतरेंगे.



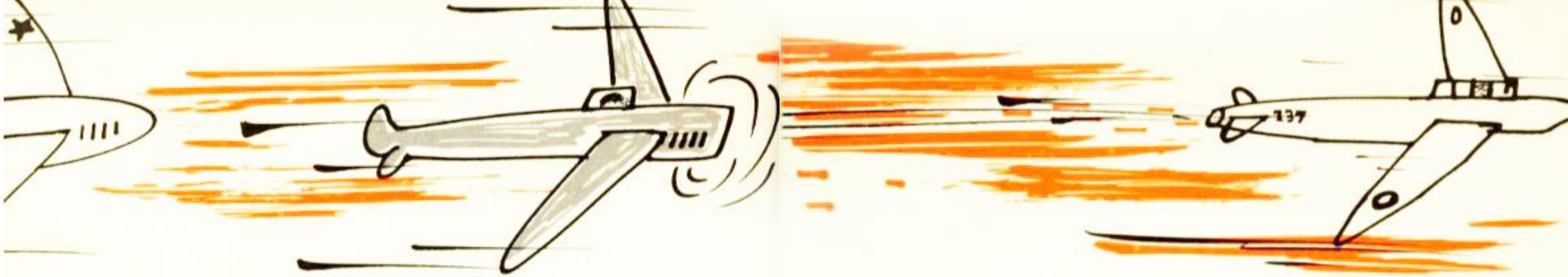
जब हल्का गैसोलीन इंजन आया, तो इन उड़ने वाले लोगों के पास प्रयास करने के लिए कुछ नया दिखाई दिया. सबसे पहले उन्होंने उसे पंखों के साथ आज़माया. लेकिन वह कामयाब नहीं हुआ. फिर उन्होंने कुछ और कोशिश की. . . और बहुत कोशिश करने के बाद ...





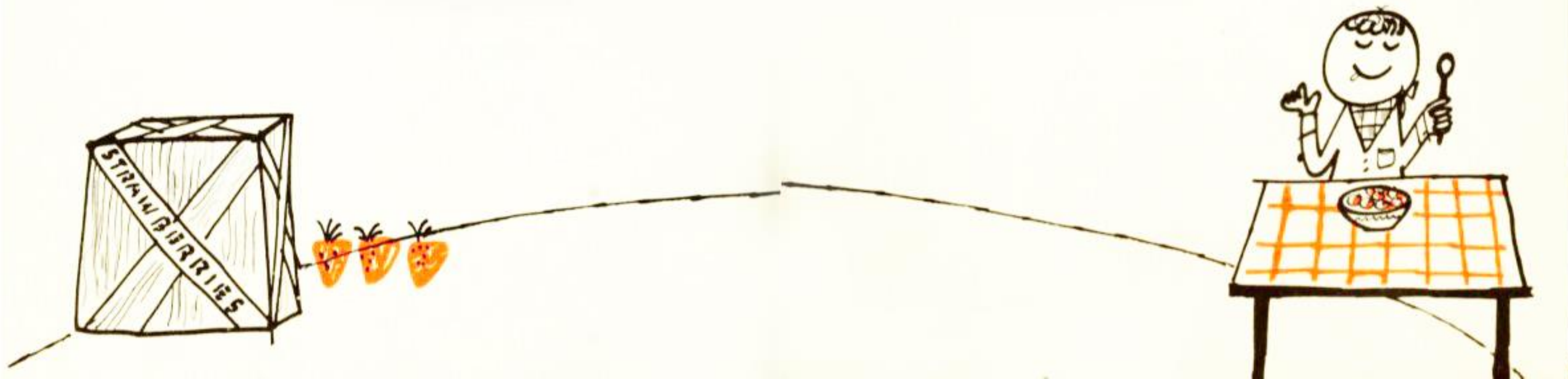
ज़ूम.......

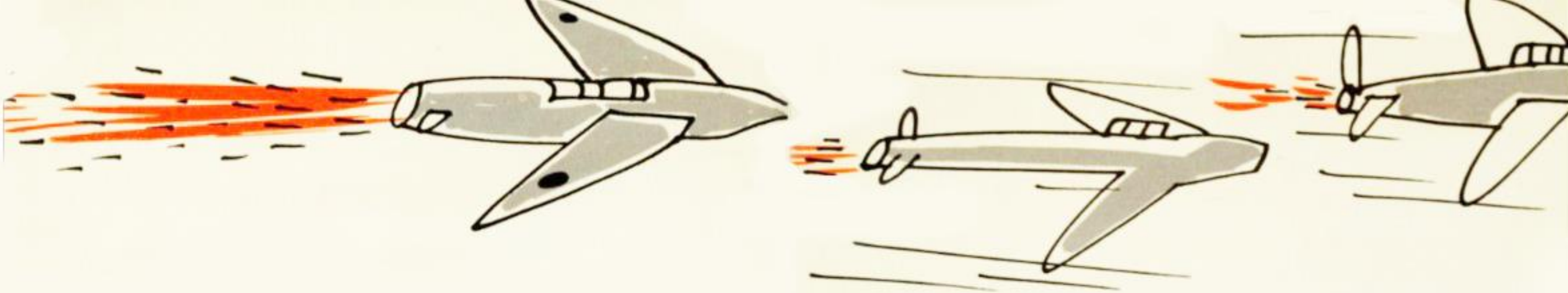
वे उड़ने लगे.



कुछ समय पहले, हवाई जहाज़ इतने तेज़ होते थे कि आज सुबह आप देश के एक छोर से स्ट्रॉबेरी तोड़ सकते थे ...

और फिर हवाई जहाज़ की यात्रा करके आप रात का खाना देश के दूसरे छोर पर पहुंचकर खा सकते थे.





पहले गुफावासियों के मन में आया कि जानवरों को भार उठाने के लिए कैसे प्रशिक्षित किया जाए. उन सभी विचारों के कारण आज आप एक घंटे में उतनी दूरी तय कर सकते हैं जो वो गुफावासी अपने पूरे जीवनकाल में कभी नहीं कर पाता.



इन साधनों ने संपूर्ण विश्व को आपके लिए अधिक निकट बना दिया है. यह सर्वश्रेष्ठ है . . . पर शायद आप ...



उन लोगों में से हों जो अंतरिक्ष यान में
बैठकर सितारों की यात्रा करना चाहते हों.

